International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 1, January- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का अध्ययन

देवेन्द्र कुमार शर्मा
शोधार्थी, शिक्षा विभाग, निर्वाण विश्वविद्यालय, जयपुर (राजस्थान)
डॉ० नेक राम
सहायक प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, निर्वाण विश्वविद्यालय, जयपुर (राजस्थान)

सार

प्रस्तुत अध्ययन माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का अध्ययन है। प्रस्तुत शोध पत्र में छात्र–छात्राओं की उपलब्धि को शिक्षक की शैक्षिक योग्यता के साथ अध्ययन किया गया है। शोध की सर्वेक्षण एवं विश्लेषण विधि द्वारा अध्ययन किया गया। अध्ययन में जनपद बागपत के 05 माध्यमिक विद्यालयों से 30 छात्र एवं 30 छात्राओं को यादृच्छिक विधि से चयन किया गया है। निष्कर्ष रूप से शिक्षक की शैक्षिक योग्यता से अधिक उसके शिक्षण की कला, उसका व्यवहार, अंतर्वस्तु का ज्ञान एवं ज्ञान को स्थानान्तरण करने की कला महत्त्वपूर्ण है।

बीज शब्द– माध्यमिक विद्यालय, शैक्षिक उपलब्धि, शैक्षिक योग्यता।

प्रस्तावना–

शिक्षा किसी समाज में सदैव चलने वाली सोद्देश्य सामाजिक प्रक्रिया है, जिसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का विकास उसके ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि एवं व्यवहार में परिवर्तन किया जाता है और इस प्रकार उसे सभ्य सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जाता है। मानव जीवन में शिक्षा का विशेष स्थान है। शिक्षा किसी भी देश या राष्ट्र के विकास की आधारशिला है। डॉ० सरल (2018) व्यक्ति के व्यक्तित्व एवं समाज का विकास से ही राष्ट्र की उन्नति सम्भव है, जिसका आधार शिक्षा है। वास्तव में शिक्षा एक प्रक्रिया है जो जन्म से मृत्यु तक निरन्तर चलती रहती है। शिक्षा विद्यालयों में प्राप्त शिक्षा, शिक्षक द्वारा प्राप्त ज्ञान, उपलब्ध ज्ञान एवं अनुभवों के अतिरिक्त अन्य प्रकार की कुशलता, दृष्टिकोणों एवं अनुभवों की प्रगति है जो बालक विद्यालय के वातावरण तथा इसके बाहर प्राप्त करता है। शिक्षा से तात्पर्य केवल व्यक्तित्व के विकास से नहीं है अपितु देश आर समाज की उन्नति का भी शिक्षा से सम्बन्ध होता है। समुचित दृष्टिकोण से यदि कहा जाये तो पारिवारिक वातावरण एवं विद्यालय वातावरण का तथा बालक के अनुभवों का बालक पर विशेष प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में विद्यालय का वातावरण एवं विद्यालय की

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 1, January- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

शिक्षा और पारिवारिक वातावरण एवं परिवार के सदस्यों का शैक्षिक स्तर लगभग यदि समान हो तो बालक को सीखने में सुगमता होगी और यदि असमानता पायी जाती है तो बालक को ज्ञान प्राप्त करने में अधिक समय लगता है। विद्यालय के अन्तर्गत दी जाने वाली शिक्षा, विद्यालयी वातावरण/भौतिक वातावरण एवं शिक्षकों की योग्यता का बालकों की उपलब्धि पर गहरा प्रभाव देखने को मिलता है। शिक्षक की योग्यता के साथ ही शिक्षक को विषय का ज्ञान एवं उसे प्रस्तुत करने की कला का आना आवश्यक है।

समस्या कथन–

''माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का अध्ययन''

अध्ययन के उद्देश्य–

1. माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों की शेक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक उपलकि पर शिक्षक की योग्यता के प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध परिकल्पाएं–

1. माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक की योग्यता के प्रभाव का कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक के प्रभाव का कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्ययन परिसीमांकन–

1. प्रस्तुत शोध पत्र बागपत जनपद के माध्यमिक विद्यालयों तथा उसमें अध्ययनरत विद्यार्थियों को ही प्रदत्त संकलन हेतु चयनित किया गया है।
2. प्रस्तुत शोध पत्र में बागपत जनपद के 05 विद्यालयों का चयन किया गया है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 1, January- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

अनुसन्धान विधि–

प्रस्तुत अध्ययन में शोधाथो ने शोध समस्या को ध्यान में रखते हुये सर्वेक्षण विश्लेषणात्मक विधि का चयन किया है।

जनसंख्या–

प्रस्तुत अध्ययन में शोधाथो द्वारा बागपत जिले में 05 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत लैंगिक आधार पर छात्र–छात्राओं को अपनी जनसंख्या के रूप में चयनित किया गया है।

अध्ययन की न्यादर्श विधि–

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी द्वारा यादृच्छिक विधि से बागपत जिले के 05 माध्यमिक विद्यालयों को चयनित किया गया तथा प्रत्येक विद्यालय से उद्दश्यपूर्ण न्यादर्श विधि से 06 छात्र तथा 06 छात्राओं का चयन किया गया। इस तरह से कुल 30 छात्र एवं 30 छात्राएँ इस अध्ययन के न्यादर्श के लिये चयनित किये गये ।

अध्ययन उपकरण–

1. विद्यार्थियों की शक्षिक उपलब्धि ज्ञात करने के लिए उसके पिछले वर्ष के प्राप्तांकों को उनकी शैक्षिक उपलब्धि मानकर अध्ययन किया गया है।
2. शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता जानने के लिए एवं भौतिक वातावरण के अध्ययन हेतु बी०के० शर्मा एवं शोधकर्ता द्वारा आर०के० सरल प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

आँकड़ों का सारणीयन एवं विश्लेषण–

शोध हेतु प्राप्त आंकडों का मूलरूप प्रायः निरर्थक व जटिल होता है, इस कारण उनके सारणीयन की आवश्यकता पडती है। सारणीयन एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके अन्तर्गत प्राप्त आंकडों को क्रमबद्ध, बोधगम्य, सरल तथा स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया जाता है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 1, January- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

तालिका सं० 1

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का अध्ययन

शिक्षकों की योग्यता	छात्रों की संख्या	शिक्षण वाले विषय					योग	प्रतिशत
		हिन्दी	अंग्रेजी	सा०वि०	विज्ञान	गणित		
प्रशिक्षित कला स्नातक	30	36.21	36.17	36.19	36.22	36.24	140.70	35.14
प्रशिक्षित विज्ञान स्नातक	30	37.91	38.52	39.13	39.03	39.59	138.27	34.56

आरेख सं० 1

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का अध्ययन

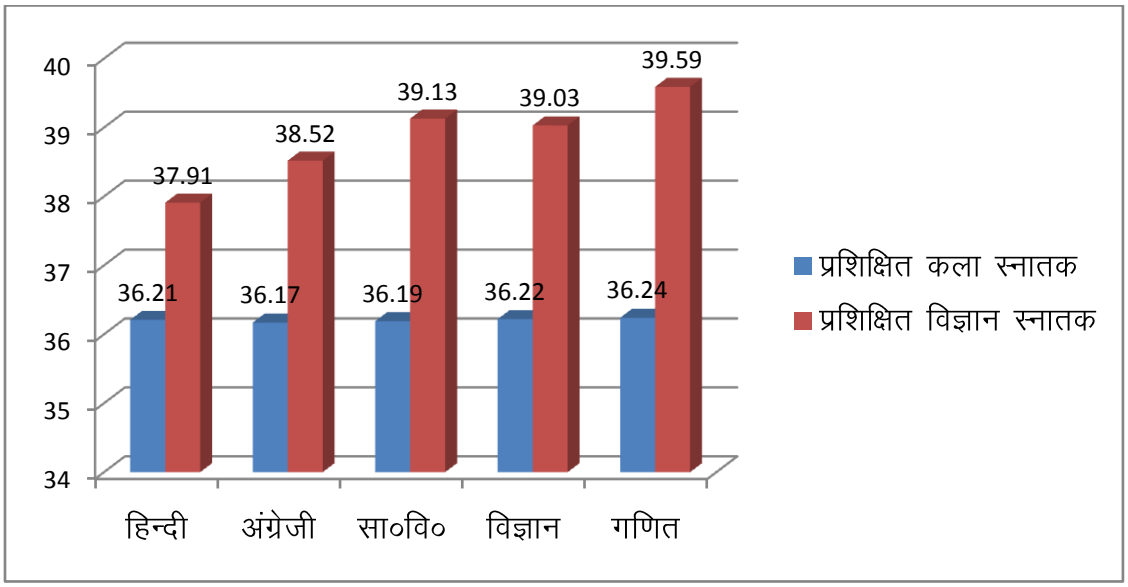

तालिका सं० 1 के माध्यम से शोधार्थी ने माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का विश्लेषण किया है, जिसमें शिक्षक की योग्यता को दो वर्गों प्रशिक्षित कला स्नातक एवं प्रशिक्षित विज्ञान स्नातक के द्वारा पढ़ाये गये उनके विषयों हिन्दी, अंग्रेजी, सामान्य विज्ञान, विज्ञान एव गणित के 30–30 विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्त प्राप्तांको का

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 1, January- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

प्रतिशत ज्ञात किया है। प्रशिक्षित कला स्नातक योग्यताधारी शिक्षकों के पढ़ाये गये विषय में हिन्दी का प्रतिशत प्राप्तांक 36.21, अंग्रेजी का प्रतिशत प्राप्तांक 36.17, सामाजिक विज्ञान का प्रतिशत प्राप्तांक 36.19, विज्ञान 36.22, गणित 36.24 है। इसी प्रकार प्रशिक्षित विज्ञान स्नातक शिक्षकों के द्वारा पढ़ाये गये विषय में हिन्दी का प्रतिशत प्राप्तांक 37.91, अंग्रेजी का प्रतिशत प्राप्तांक 38.5, सामाजिक विज्ञान का प्रतिशत प्राप्तांक 39.13, विज्ञान का प्रतिशत प्राप्तांक 39.03 एवं गणित का प्रतिशत प्राप्तांक 39.59 प्राप्त हुआ।

तालिका सं० 2

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का अध्ययन

शिक्षकों की योग्यता	छात्रों की संख्या	शिक्षण वाले विषय					योग	प्रतिशत
		हिन्दी	अंग्रेजी	सा०वि०	विज्ञान	गणित		
प्रशिक्षित कला स्नातक	30	36.14	36.64	36.76	36.93	36.87	140.61	35.15
प्रशिक्षित विज्ञान स्नातक	30	35.98	36.58	36.85	36.85	36.93	145.66	36.41

आरेख सं० 2

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का अध्ययन

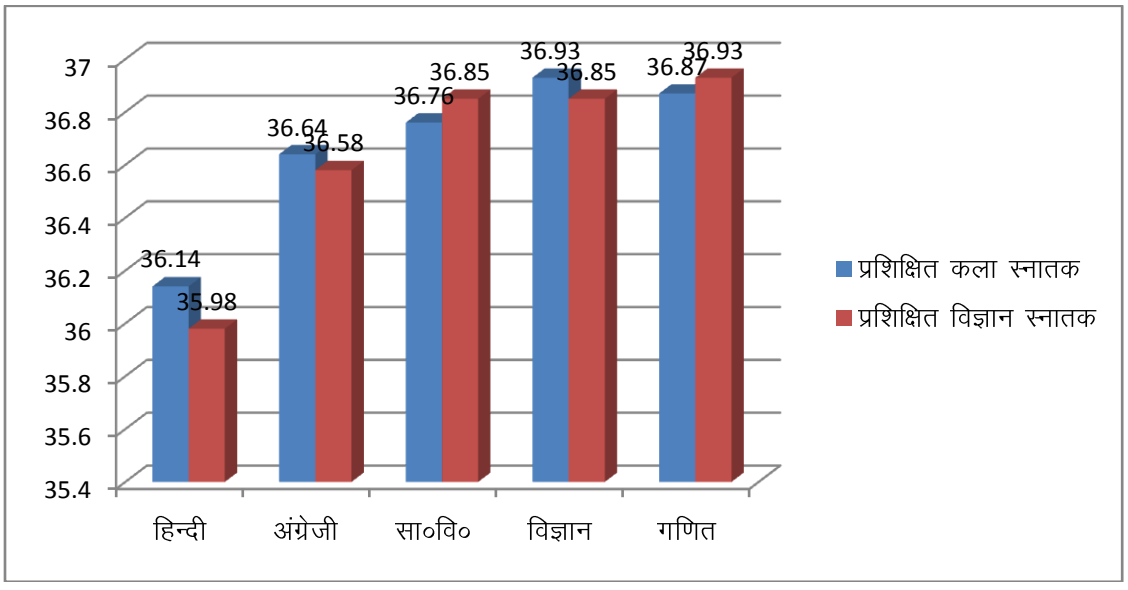

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 1, January- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

तालिका सं० 2 के माध्यम से शोधार्थी ने माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का विश्लेषण किया जिसमें शिक्षक को योग्यता को दो वर्गों में बाँटा गया है– प्रशिक्षित कला स्नातक और प्रशिक्षित विज्ञान स्नातक के शिक्षकों के द्वारा पढ़ाये गये विषयों हिन्दी, अग्रेजी, सामान्य विज्ञान, विज्ञान एवं गणित के 30–30 छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में प्राप्त प्राप्तांको का प्रतिशत ज्ञात किया है। प्रशिक्षित कला स्नातक योग्याताधारी शिक्षकों के द्वारा पढ़ाये गये विषयों हिन्दी का प्राप्त प्राप्तांक 36.14, अंग्रेजी का प्राप्त प्राप्तांक 36.64, सामाजिक विज्ञान का प्राप्त प्राप्तांक 36.76, विज्ञान का प्राप्त प्राप्तांक 36.93 तथा गणित का प्राप्त प्राप्तांक 36.87 प्राप्त हुआ। इसी प्रकार प्रशिक्षित विज्ञान स्नातक योग्यताधारी शिक्षकों के द्वारा पढाये गये विषयों में हिन्दी में प्राप्त प्राप्तांक का प्रतिशत 35. 98, अंग्रेजी में प्राप्त प्राप्तांक का 35.58, सामाजिक विज्ञान में प्राप्त प्राप्तांक का प्रतिशत 36.84, विज्ञान में प्राप्त प्राप्तांक का प्रतिशत 36.85 तथा गणित विषय का प्राप्त प्राप्तांक 36.93 प्राप्त हुआ है।

अध्ययन के परिणाम–

शोधार्थी द्वारा अपने अध्ययन के विश्लेषण द्वारा जो परिणाम प्राप्त हुआ वह निम्नलिखित है–

1. माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में सामान्य अन्तर पाया गया जबकि सार्थकता स्तर में कोई अन्तर नहीं है।
2. छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सामान्य अन्तर पाया गया किन्तु सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

निष्कर्ष–

प्रस्तुत शोध पत्र में शोधार्थी ने अपनी समस्या **''माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का अध्ययन''** करने पर इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि माध्यमिक विद्यालयां में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता का प्रभाव पडता है, प्रशिक्षित विज्ञान स्नातक के प्रतिशत से प्रशिक्षित कला स्नातक का प्रतिशत प्राप्तांक ज्यादा पाया गया। माध्यमिक विद्यालयां में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर भी शिक्षक योग्यता का प्रभाव पडता है। शैक्षिक योग्यता से अधिक शिक्षक का व्यवहार, उसके शिक्षण की कला, छात्रों की समस्या को हल करने की तत्परता, शिक्षक द्वारा छात्रों के साथ अपनत्व की भावना अधिक प्रभावशाली सिद्ध हुई है। शिक्षक का अपने अन्तर्वस्तु की विस्तृत जानकारी होना अति आवश्यक है। केवल ज्ञान का होना शिक्षक को सम्पूर्णता प्रदान नहीं करता, उस ज्ञान को छात्रों को स्थानान्तरण करना एवं स्थायी वांछित व्यवहार परिवर्तन करने वाले शिक्षक अधिक प्रभावशाली सिद्ध हुए हैं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 1, January- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. जगन्नाथ, के0 (1986), 'होम एनवायरमेण्ट एण्ड एकेडेमिक', पृ०सं० 18–25
2. कपिल, ए०के०, 'रिसर्च मेथड्स', हर प्रसाद भार्गव पुस्तक प्रकाशन।
3. गुप्ता, एस०पी०, शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन, साहित्य भवन इलाहाबाद।
4. मलिक, जे०एस० (1984), 'सैकिंड सर्वे ऑफ एजूकेशन रिसर्च'
5. तलवान, एस०के० (1989), 'थर्ड सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजूकेशन', एन०सी०ई०आर० टी०यू०, दिल्ली
6. सरल, आर०के० (2018), शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन, लायल बुक डिपो, मेरठ